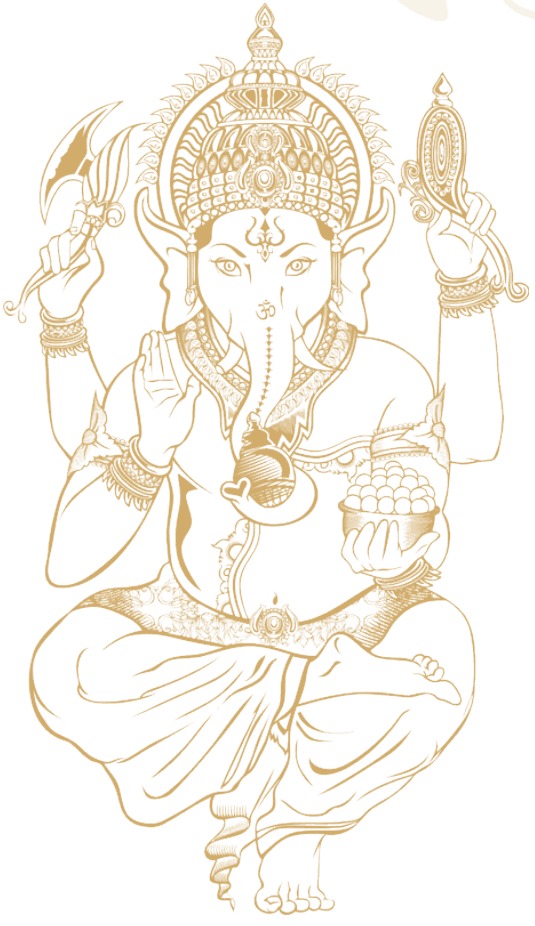

Aarti meena

11 Oct 1995

07:50 PM

Jaipur Central

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120803703

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/10/1995	जन्म तिथि	**11/10/2026**
बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 19:50:00	जन्म समय	18:21:17 घंटे
घटी 33:35:17	जन्म समय(घटी)	29:52:51 घटी
India	देश	India
Jaipur Central	स्थान	Jaipur Central
उत्तर 26:54:10	अक्षांश	26:54:10 उत्तर
पूर्व 75:50:13	रेखांश	75:50:13 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:39	स्थानिक संस्कार	-00:26:39 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:53	सूर्योदय	06:24:08
18:02:55	सूर्यास्त	18:02:25
23:48:00	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:00
मेष	लग्न	मेष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मेष	राशि	तुला
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
कृतिका	नक्षत्र	चित्रा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	4
सिद्धि	योग	वैधृति
विष्टि	करण	बव
अ-अश्विनी	जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मृग
31	गत/तत्कालिक वर्ष	32

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
कृतिका	1	28:53:08	मेष		
चित्रा	1	23:59:37	कन्या		
कृतिका	1	28:09:23	मेष		
विशाखा	3	29:37:00	तुला		
हस्त	1	11:44:14	कन्या	व	
ज्येष्ठा	1	18:23:26	वृश्चि		
स्वाति	1	07:46:59	तुला		
पू०भाद्रपद	2	25:35:28	कुंभ	व	
चित्रा	3	02:40:45	तुला		
अश्विनी	1	02:40:45	मेष		
उत्तराषाढ़ा	2	02:44:13	मक		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मेष	01:32:47	1	अश्विनी
सूर्य			कन्या	23:59:37	1	चित्रा
चंद्र			तुला	04:26:13	4	चित्रा
मंगल			कर्क	13:28:43	4	पुष्य
बुध			तुला	18:59:14	4	स्वाति
गुरु			कर्क	27:09:41	4	आश्लेषा
शुक्र	व		तुला	12:55:17	2	स्वाति
शनि	व		मीन	16:31:08	4	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	04:31:52	4	धनिष्ठा
केतु	व		सिंह	04:31:52	2	मघा
मु			वृश्चि	28:53:08	4	ज्येष्ठा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:00

लग्न-चलित

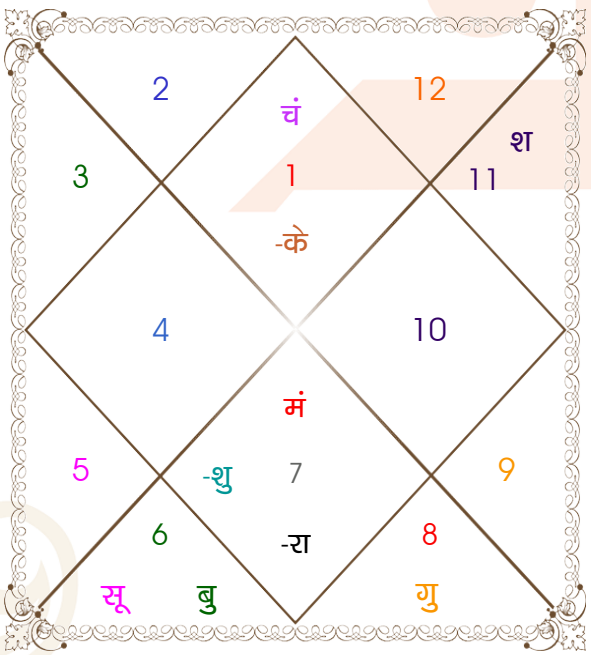

वर्ष लग्न कुंडली

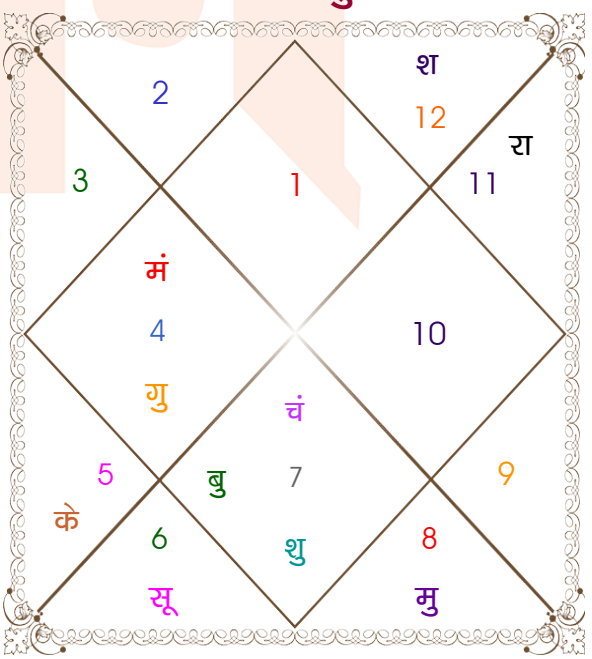

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शनि - गुरु	
04/09/2025 16:01	
21/01/2026 11:05	
गुरु	23/09/2025 04:09
शनि	15/10/2025 03:34
बुध	03/11/2025 19:29
केतु	11/11/2025 21:47
शुक्र	05/12/2025 00:58
सूर्य	11/12/2025 23:31
चंद्र	23/12/2025 13:07
मंगल	31/12/2025 15:26
राहु	21/01/2026 11:05

राहु - बुध - बुध	
21/01/2026 11:05	
02/06/2026 09:48	
बुध	09/02/2026 03:42
केतु	16/02/2026 20:26
शुक्र	10/03/2026 20:13
सूर्य	17/03/2026 10:33
चंद्र	28/03/2026 10:27
मंगल	05/04/2026 03:10
राहु	24/04/2026 22:11
गुरु	12/05/2026 12:25
शनि	02/06/2026 09:48

राहु - बुध - केतु	
02/06/2026 09:48	
26/07/2026 17:45	
केतु	05/06/2026 13:52
शुक्र	14/06/2026 15:12
सूर्य	17/06/2026 08:23
चंद्र	21/06/2026 21:03
मंगल	25/06/2026 01:07
राहु	03/07/2026 04:42
गुरु	10/07/2026 10:34
शनि	19/07/2026 01:01
बुध	26/07/2026 17:45

राहु - बुध - शुक्र	
26/07/2026 17:45	
28/12/2026 23:18	
शुक्र	21/08/2026 14:40
सूर्य	29/08/2026 08:57
चंद्र	11/09/2026 07:25
मंगल	20/09/2026 08:44
राहु	13/10/2026 15:34
गुरु	03/11/2026 08:19
शनि	27/11/2026 22:11
बुध	19/12/2026 21:59
केतु	28/12/2026 23:18

राहु - बुध - सूर्य	
28/12/2026 23:18	
13/02/2027 12:58	
सूर्य	31/12/2026 07:11
चंद्र	04/01/2027 04:19
मंगल	06/01/2027 21:31
राहु	13/01/2027 21:10
गुरु	20/01/2027 02:11
शनि	27/01/2027 11:09
बुध	03/02/2027 01:29
केतु	05/02/2027 18:41
शुक्र	13/02/2027 12:58

राहु - बुध - चंद्र	
13/02/2027 12:58	
02/05/2027 03:44	
चंद्र	20/02/2027 00:12
मंगल	24/02/2027 12:51
राहु	08/03/2027 04:16
गुरु	18/03/2027 12:39
शनि	30/03/2027 19:35
बुध	10/04/2027 19:29
केतु	15/04/2027 08:08
शुक्र	28/04/2027 06:36
सूर्य	02/05/2027 03:44

राहु - बुध - मंगल	
02/05/2027 03:44	
25/06/2027 11:41	
मंगल	05/05/2027 07:48
राहु	13/05/2027 11:24
गुरु	20/05/2027 17:15
शनि	29/05/2027 07:43
बुध	06/06/2027 00:26
केतु	09/06/2027 04:30
शुक्र	18/06/2027 05:49
सूर्य	20/06/2027 23:01
चंद्र	25/06/2027 11:41

राहु - बुध - राहु	
25/06/2027 11:41	
12/11/2027 04:41	
राहु	16/07/2027 10:38
गुरु	04/08/2027 01:42
शनि	26/08/2027 04:35
बुध	14/09/2027 23:36
केतु	23/09/2027 03:11
शुक्र	16/10/2027 10:01
सूर्य	23/10/2027 09:40
चंद्र	04/11/2027 01:05
मंगल	12/11/2027 04:41

राहु - बुध - गुरु	
12/11/2027 04:41	
15/03/2028 09:07	
गुरु	28/11/2027 18:04
शनि	18/12/2027 09:58
बुध	05/01/2028 00:12
केतु	12/01/2028 06:04
शुक्र	01/02/2028 22:48
सूर्य	08/02/2028 03:49
चंद्र	18/02/2028 12:11
मंगल	25/02/2028 18:03
राहु	15/03/2028 09:07

राहु - बुध - शनि	
15/03/2028 09:07	
09/08/2028 20:23	
शनि	07/04/2028 17:30
बुध	28/04/2028 14:54
केतु	07/05/2028 05:21
शुक्र	31/05/2028 19:14
सूर्य	08/06/2028 04:12
चंद्र	20/06/2028 11:08
मंगल	29/06/2028 01:36
राहु	21/07/2028 04:29
गुरु	09/08/2028 20:23

राहु - केतु - केतु	
09/08/2028 20:23	
01/09/2028 05:18	
केतु	11/08/2028 03:43
शुक्र	14/08/2028 21:12
सूर्य	16/08/2028 00:02
चंद्र	17/08/2028 20:47
मंगल	19/08/2028 04:06
राहु	22/08/2028 12:39
गुरु	25/08/2028 12:14
शनि	29/08/2028 01:15
बुध	01/09/2028 05:18

राहु - केतु - शुक्र	
01/09/2028 05:18	
04/11/2028 03:21	
शुक्र	11/09/2028 20:59
सूर्य	15/09/2028 01:41
चंद्र	20/09/2028 09:31
मंगल	24/09/2028 03:00
राहु	03/10/2028 17:07
गुरु	12/10/2028 05:39
शनि	22/10/2028 08:33
बुध	31/10/2028 09:52
केतु	04/11/2028 03:21

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।